दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्व का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 08 अक्टूबर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 12

भारत को स्विस बैंक में जमा भारतीयों की ब्लैक मनी से जुड़ी पहली जानकारी मिली

नई दिल्ली (आरएनएस)। काले धन को लेकर आज मोदी सरकार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सरकार को स्विट्जरलैंड की सरकार से मिली खातों की जानकारी मिली है। पहले दौर का विवरण स्विट्जरलैंड ने भारत को सौंप दिया है, जिसमें चालू खातों की भी जानकारी शामिल है। स्विट्जरलैंड के संघीय कर प्रशासन ने 75 देशों को एईओआई के वैश्विक मानदंडों के तहत वित्तीय खातों के ब्योरे का आदान-प्रदान किया है, जिनमें भारत भी शामिल है। स्विट्जरलैंड के टैक्स विभाग के अनुसार, इसके बाद भारत सरकार को अगली जानकारी 2020 में सौंपी जाएगी। स्विट्जरलैंड में दुनिया के 75 देशों के करीब 31 लाख खाते हैं जो रडार पर हैं, इनमें भारत के कई खाते भी शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक जो जानकारी मिली है उसमें सभी खाते गैरकानूनी नहीं हैं। सरकारी एजेंसियां अब इस मामले में जांच शुरू करेंगी, जिसमें खाताधारकों के नाम, उनके खाते की जानकारी को बटोरा जाएगा और कानून के हिसाब से एक्शन लिया जाएगा। बता दें कि इससे पहले जून 2019 में स्विस नेशनल बैंक की ओर से जारी रिपोर्ट में देखा गया था कि स्विस बैंकों में भारतीयों के खातों में जमा राशि में गिरावट आई है। वहीं 2018 के आंकड़ों के अनुसार स्विस बैंक में अब भारतीयों का केवल 6757 करोड़ रुपया ही जमा है।

गुरेज सेक्टर में 6 साल बाद घुसपैठ, 2 आतंकवादी ढेर

द्रास (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से पाकिस्तान घाटी में अशांति फैलाने के लिए हरसंभव कोशिश कर रहा है, जिसका भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पिछले 6 साल से शांत पड़ी सिंध घाटी में दोबारा आतंक पनपाने की कोशिश की, जिसे सुरक्षाबलों ने ध्वस्त कर दिया। भारतीय सेना ने बताया कि आतंकवादियों ने 27 सितंबर और 3 अक्टूबर को गुरेज सेक्टर में इस साजिश को अंजाम दिया और इसी बीच सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया।

रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के सिंध घाटी के गुरेज सेक्टर में भारतीय सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादियों ने 27 सितंबर और 3 अक्टूबर को घुसपैठ की कोशिश की थी। घटना सामने आने के बाद स्थानीय लोग दहशत में आ गए हैं क्योंकि घाटी लंबे समय से शांत थी और यहां के लोग आराम से जीवन यापन कर रहे थे। सेना ने कहा कि एलओसी के हर तरफ से आतंकवादियों की घुसपैठ कराकर पाकिस्तान आतंकी गतिविधियों को गति दे रहा है।

महत्वपूर्ण एवं खास

राष्ट्रपति ने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनायें दी

नईदिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दशहरे के अवसर पर देशवासियों को बधाईयां दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह पर्व असत्य पर सत्य की जीत का उत्सव है। यह हमें ईमानदारी और सच्चाई के मूल्यों द्वारा जीने के लिए प्रेरित करता है। भगवान राम का जीवन इन मूल्यों का सार है, जो आज के दौर के साथ-साथ सदा-सर्वदा कायम रहेगा। यह पर्व हमें राष्ट्र-निर्माण के लिए और एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करे, जो जरूरतमंदों और वंचित लोगों की देखभाल करे।

अफगान तालिबान ने अपने 11 सदस्यों के बदले 3 भारतीय बंधकों को किया रिहा

» 2018 में बनाए गए थे बंधक

इस्लामाबाद। करीब 17 महीनों से तालिबान के आतंकियों की कैद में फंसे भारतीय इंजीनियरों से अपने देश लौटने का रास्ता साफ हो गया है। भारत के ये तीनों इंजीनियर साल 2018 से तालिबान की कैद में है। अमेरिका और तालिबान के बीच बातचीत के बाद यह फैसला आया है। अमेरिका और तालिबान के बीच सुलह के लिए बातचीत हुई। इस बैठक में प्रतिनिधि जाल्मे खलीलजाद के साथ हुई तालिबान की बैठक में कैदियों की अदला-बदली पर हुई। इस बैठक में फैसला लिया गया कि तालिबान नेताओं के बदले तीन भारतीय इंजीनियरों को रिहा किया जाएगा। अमेरिका और तालिबान के बीच इस्लामाबाद में हुई बातचीत के बाद तीनों भारतीय इंजीनियरों को रिहा करने पर फैसला लिया गया है। यहां प्रतिनिधिमंडल की बैठक में तीन भारतीय इंजीनियर की रिहाई का मुद्दा उठाया गया। तालिबान ने पुष्टि की है कि उसने कम से कम 11 तालिबानी नेताओं की रिहाई के बदले में कम से कम तीन भारतीय बंधकों को मुक्त कर दिया है, जिनमें महत्वपूर्ण नेता शामिल हैं। इनमें अफगान तालिबान में प्रमुख नेता शेख अब्दुल रहीम और मौलवी अब्दुर रशीद का नाम शामिल है। इन दोनों तालिबान नेताओं ने 2001 में अमेरिका के नेतृत्व वाले हस्तक्षेप से पहले तालिबान प्रशासन के दौरान कुनार और निम्रोज़ प्रांतों के राज्यपालों के रूप में कार्य किया है।

अमेरिका के एक बार में गोलीबारी, 4 की मौत, 5 घायल

ह्यूस्टन। कंसस के एक बार में 2 बंदूकधारियों ने गोलीबारी की जिससे 4 लोगों की मौत हो गई और 5 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को रविवार देर रात एक बजकर 27 मिनट पर कंसस शहर के टकीला केसी बार में गोलीबारी की सूचना मिली जिसके बाद तत्काल कार्रवाई की गई। कंसस शहर पुलिस विभाग के अधिकारी थॉमस टोमैसिक ने कहा, 'पुलिस बार के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे की वीडियो देख रही है और उसका मानना है कि बार में दो संदिग्ध घुसे और उन्होंने गोलीबारी की।' उन्होंने बताया कि इस गोलीबारी में मारे गए चारों पुरुषों की आयु 20 वर्ष से 60 वर्ष के बीच थी। हमले में पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया। हमले में घायल 5 अन्य लोगों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि उसके पास यह मानने का कोई आधार नहीं है कि गोलीबारी नस्लवाद के कारण की गई।

इतालवी द्वीप के तटीय क्षेत्र में प्रवासियों की नौका डूबने से नौ की मौत

मिलान। इतालवी तटरक्षक ने कहा कि लाम्पेडुसा द्वीप के निकट प्रवासियों से भरी एक नौका डूबने से नौ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 22 लोगों को बचा लिया गया। तटरक्षक बल ने सोमवार को कहा कि आधीरात के बाद लाम्पेडुसा से करीब छह मील दूर तस्करों की खचाखच भरी नौका पलट गई। अधिकारियों ने कहा कि 22 प्रवासियों को बचा लिया गया जबकि नौ शव बरामद किये गए हैं। लापता हुए और लोगों की तलाश की जा रही है। सिसली में अधिकारियों की शुरुआती खबरों में कहा गया कि नाव में करीब 50 प्रवासी सवार थे।

भारत आ रहे चीनी राष्ट्रपति शीन चिनफिंग के साथ 24 घंटे में चार मीटिंग करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दूसरे अनौपचारिक सम्मेलन के लिए तमिलनाडु के चन्नै एयरपोर्ट पर उतरेंगे। सवाल यह है कि पीएम मोदी शी को क्या ऑफर करने वाले हैं? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि दोनों नेता 24 घंटे में चार मीटिंग करेंगे। दोनों नेता के बीच ये मुलाकातें बंगाल की खाड़ी को मुखातिब समुद्री किनारे के रेजॉर्ट वाले लॉन में होंगी।

शी शुक्रवार को दोपहर करीब 1.30 बजे चेन्नै पहुंचेंगे। उसके बाद के 24 घंटों में उनका प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकातें होंगी और अगले दिन शनिवार को दोपहर में ही चीन रवाना हो जाएंगे। इस बीच दोनों नेता एक-दूसरे के साथ करीब-करीब सात घंटे बिताएंगे।

डोकलाम में भारतीय और चीनी सेना के बीच झड़प के बाद दोनों देशों के बीच रिश्ते में खटास आ गई थी। उसके बाद वुहान में पीएम मोदी और राष्ट्रपति चिनफिंग के बीच पहली इन्फॉर्मल समिट हुई थी। अब जब दूसरी समिट ऐसे माहौल में हो रही है जब चीन जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद से पाकिस्तान का पक्ष ले रहा है।

10,000 और लोगों को नौकरी से निकालेगा एचएसबीसी

नईदिल्ली (आरएनएस)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाई आर्थिक सुस्ती का असर अब रोजगार पर भी दिखने लगा है। दिग्गज अंतरराष्ट्रीय बैंक एचएसबीसी 10,000 और लोगों की छंटनी करने जा रहा है। कुछ ही सप्ताह पहले ही बैंक ने कमजोर वैश्विक आउटलुक का हवाला देते हुए 4,000 लोगों को नौकरी से निकालने की घोषणा की थी। बैंक के सीईओ ने भी पद छोड़ दिया था।

नौकरी से निकाले जाने वालों में अधिकतर मोटी तनख्वाह पाने वाले कर्मचारी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंक को घटती ब्याज दर, ब्रेक्जिट और लंबा खिंच रहे ट्रेड वार से निपटने में मुश्किल हो रही है। बैंक के नए प्रमुख नोएल क्विन खर्च घटाने के लिए नई मुहिम चला रहे हैं। इसी मुहिम के तहत 10,000 और लोगों को नौकरी से निकाला जाएगा। नौकरी से निकाले जाने वालों में अधिकतर मौटी तनख्वाह पाने वाले कर्मचारी हैं। बैंक का मुख्यालय लंदन में है।

एक सूत्र ने कहा कि हम कई साल से यह जानते हैं कि हमें खर्च के मोर्चे पर कुछ करने की जरूरत है और कर्मचारियों का वेतन खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा है। अब हम इस कठिन फैसले को ले रहे हैं। सवाल यह है कि जब एशिया के कुछ हिस्सों में दहाई अंकों में विकास दर्ज की जा रही है, तो यूरोप में इतने अधिक लोग क्यों काम कर रहे हैं।

बैंक ने पिछले महीने सीईओ जॉन फ्लिंट के पद छोड़ने की घोषणा की थी। फ्लिंट 18 महीने ही पद पर रहे। बैंक ने हालांकि उनके पद छोड़ने के फैसले का कारण नहीं बताया। उसी समय बैंक ने कहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय श्रम बल में से दो फीसदी यानी 4,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगा, जिनमें अधिकतर प्रबंधन से जुड़े थे। पहली छमाही में बैंक ने शुद्ध लाभ में 18.6 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की है। तीसरी तिमाही के नतीजे बैंक इसी महीने घोषित करने वाला है।

पिछले महीने जर्मनी के दूसरे सबसे बड़े बैंक कॉमर्जबैंक ने कहा था कि वह 4,300 पूर्णकालिक पद के बराबर कर्मचारियों की छंटनी करेगा। यह संख्या उसके कर्मचारियों की कुल संख्या का 10 फीसदी है।

चिन्मयानंद पर अखाड़ा परिषद का यू टर्न, अब कहा- नशीली दवा देकर फंसाया गया

प्रयागराज। पूर्व केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री चिन्मयानंद के मामले में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने यू-टर्न ले लिया है। परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरी का कहना है कि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद स्वामी चिन्मयानंद का हर तरह से साथ देगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्वामी चिन्मयानंद के साथ अन्याय हुआ है। ऐसे में अखाड़ा परिषद उन्हें अकेला नहीं छोड़ सकता।

महंत के मुताबिक, चिन्मयानंद मामले की आड़ में साधु-संतों को बदनाम करने और उनकी छवि को बिगाड़ने की बड़ी साजिश की जा रही है। महंत नरेन्द्र गिरी ने स्वामी चिन्मयानंद पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली लड़की के बारे में कहा कि इस मामले में पीड़ित लड़की की भूमिका भी संदिग्ध है और ऐसा लग रहा है कि नशीली दवा खिलाकर स्वामी चिन्मयानंद को फंसाने की साजिश की गई है।

नरेन्द्र गिरी ने कहा कि पीड़िता और उसके साथियों का विडियो सामने आने के बाद यह पूरी तरह से साफ हो गया है कि स्वामी चिन्मयानंद से रंगदारी मांगी गई है। उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि अब अखाड़ा परिषद की 10 अक्टूबर को हरिद्वार में होने वाली बैठक में स्वामी चिन्मयानंद के निष्कासन की कार्रवाई भी नहीं की जाएगी। बल्कि साधु-संत उनके साथ इस लड़ाई में उनका पूरा साथ देंगे। चिन्मयानंद को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की ओर से कानूनी सहायता मुहैया कराए जाने के सवाल पर महंत नरेन्द्र गिरी ने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद खुद सक्षम हैं, इसलिए उन्हें इसकी कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन साधु-संत और अखाड़ा परिषद सामाजिक रूप से स्वामी चिन्मयानंद की इस लड़ाई में उनके साथ खड़ा रहेगा।

सकारात्मक सोच ही पुलिस की छवि को बेहतर बना सकती है:शाह

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को 2018 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ईश्वर ने आपको देश सेवा का बहुत बड़ा मौका दिया है इसलिये जिम्मेदारी से काम करना होगा। आपका यह प्रयास होना चाहिए कि संवेदनशील होकर ड्यूटी करें जिसमें कई तरह की चुनौतियां आएंगी पर सफलता के लिए अडिग रहना जरूरी है। शाह का कहना था कि यह सेवा स्वयं के या परिवार के लिए न होकर देश के लिए होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आंतरिक सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था देश की रीढ़ की हड्डी है जिसके बिना विकास संभव नहीं है।

भारत अफ्रीका के साथ कपास के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने प्रतिबद्धःस्मृति

नई दिल्ली (आरएनएस)। केन्द्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति जूबिन इरानी ने कहा कि भारत अफ्रीका के साथ विशेषकर कपास के क्षेत्र में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अफ्रीका के लिए कपास प्रौद्योगिकी सहायता कार्यक्रम (टीएपी) के दूसरे चरण की घोषणा की। दूसरा चरण पांच वर्षों का होगा। कार्यक्रम के कवरेज को विस्तार दिया जाएगा और इसमें पांच अन्य देशों-माली, घाना, टोगो, जाम्बिया और तन्जानिया को शामिल किया जाएगा।

कपास प्रौद्योगिकी सहायता कार्यक्रम (टीएपी) में शामिल होने वाले देशों की संख्या 11 हो गई हैं। इनमें सी-4 (बेनिन, बुर्किना फासो, चाड और माली) भी शामिल हैं। भारत ने 2012 से 2018 तक कपास प्रौद्योगिकी सहायता कार्यक्रम (टीएपी) संचालित किया था। इसमें छह अफ्रीकी देश (बेनिन, बुर्किना फासो, चाड, मालावी, नाइजीरिया और युगांडा) शामिल थे। इरानी ने कहा कि भारत ने अफ्रीका के किसानों, वैज्ञानिक, सरकारी अधिकारियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया है।

जूनागढ़ में बीच से टूटा पुल, कोई हताहत नहीं

» कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त

जूनागढ़ (आरएनएस)। बाढ़ की मार झेल रहे गुजरात के जूनागढ़ में भारी बारिश के बाद एक सड़क पुल टूट गया, जिसमें कई लोग घायल हो गये हैं। ये हादसा जूनागढ़ के मलंका गांव के पास हुआ। हादसे में कई लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। हालांकि अबतक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने लोगों को बाहर निकाला। पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि मूसलाधार बारिश की वजह से पुल के नीचे की जमीन खिसक गई थी, जिसके चलते पुल ढह गया। पुल के ढहने से 500 मीटर तक सड़क में दरार आ गई है।

जिस वक्त यह हादसा हुआ उस समय पुल से कुछ वाहन गुजर रहे थे, जो हादसे का शिकार हो गए। पुल टूटने के बाद वाहनों में सवार लोगों की सांसे अटकी रही। पुल के आसपास खेतों में काम कर रहे लोग आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे और पुलिस को इसकी जानकारी दी।

इसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस हादसे के बाद रास्ता बंद हो गया है और वाहनों को दूसरे रास्ते से जाना पड़ रहा है।

एक शिवसैनिक को महाराष्ट्र का सीएम बनाने का वादा पूरा करूंगाः उद्धव

मुंबई (आरएनएस)। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि उनके बेटे के राजनीति में उतरने का यह आशय नहीं है कि वह राजनीति से संन्यास ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि एक शिवसैनिक को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाने का वादा जरूर पूरा करूंगा।

न्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी ने 2014 के विधानसभा चुनावों में 'मोदी लहर' पर लगाम लगाई थी। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अब इस बहस में जाने का कोई मतलब नहीं है कि उस समय वे भाजपा से क्यों अलग हुए थे।

इस बार शिवसेना राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से 124 पर चुनाव लड़ रही है जबकि उसकी गठबंधन सहयोगी भाजपा ने 150 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। बाकी सीटें भाजपा के हिस्से से छोटे दलों के लिये छोड़ी गई हैं।

उद्धव ठाकरे ने कहा, ''मैंने अपने पिता और शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बालासाहेब से वादा किया था कि एक दिन एक शिवसैनिक को मुख्यमंत्री बनाकर रहूंगा। जब तक यह हो नहीं जाता है मैं चुप नहीं बैठूंगा।

महाराष्ट्र में 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिये उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ने वरली विधानसभा सीट से पर्चा दाखिल किया है। यह पहला मौका है जब ठाकरे परिवार का कोई सदस्य चुनाव में उतरा है। यह पार्टी के लिये भी इस बात की परीक्षा होगी कि वह जनता का मन जीतने के लिये पार्टी के युवा नेतृत्व की लोकप्रियता पर भरोसा कर सकती है या नहीं।

उन्होंने कहा, ''आदित्य के विधानसभा चुनाव लड़ने का यह मतलब नहीं है कि मैं सक्रिय राजनीति से संन्यास ले रहा हूं। मैं यहीं हूं।'' उद्धव ठाकरे ने राकांपा नेता अजित पवार के परोक्ष संदर्भ में व्यंग्यात्मक रूप से कहा, ''मैं खेती करने नहीं जा रहा।''

गौरतलब है कि पवार ने हाल ही में विधायक पद से इस्तीफा दिया था और अपने बेटे को सलाह दी थी कि वह राजनीति की जगह खेती करे या कोई कारोबार कर ले।

उन्होंने यह भी दावा किया कि 2014 में जब विधानसभा चुनावों से पहले शिवसेना ने भाजपा से साथ तोड़ा था तब उनकी पार्टी 'मोदी लहर' पर लगाम लगाने में कामयाब रही थी जबकि पूरे देश में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया था।

उन्होंने कहा, ''अब भाजपा और शिवसेना के (2014 चुनाव) अलग-अलग लड़ने के पीछे के कारणों पर चर्चा का कोई मतलब नहीं है। यह एक जंग थी। राष्ट्रीय स्तर पर एक 'लहर' थी, लेकिन महाराष्ट्र में हमने उस पर लगाम लगाई।'' उद्धव ने कहा, ''सत्ता में रहने के बावजूद, हमने हमेशा आम आदमी के मुद्दों को लेकर आवाज उठाई।